करता हूं कि वह उपरोक्त कार्य तुंत शुरू करने के लिए तत्काल महाराष्ट्र सरकार को पैसा दे। अभी श्री गुलाम नबी आजाद जी यहां नहीं हैं। मैं अध्यक्ष जी आपसे प्रार्थना करता हूं कि केन्द्र सरकार तुंत पैसा दे।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमारे पास पैसा नहीं है, हम कैसे देंगे।

श्री मोहन रावले : मुम्बई शहर 57723 करोड़ रुपये सरकार को टैक्स के रुप में देता है, क्या केन्द्र सरकार उसी मुम्बई शहर की जर्जर इमारतों की तुंत मरम्मत हेतु पांच हजार करोड़ रुपये नहीं देगी? मैं प्रार्थना करता हूं कि केन्द्र सरकार इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करे।

MR. SPEAKER: You have very ably raised it.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Anant Gudhe, I am allowing you.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please listen to me. आपने दो मुद्दे दिये हैं।

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is also not permitted. You have given notice for raising two matters. I cannot allow you to raise two matters. You are a senior Member. You are not a first-timer. You should cooperate with the Chair.

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : सर, जूनियर मैम्बर्स खड़े हैं, आप उन्हें चान्स दें।

अध्यक्ष महोदय : हम जूनियर मैम्बर्स को ज्यादा बोलने का चान्स देते हैं, लेकिन जब जूनियर मैम्बर्स को हम बोलने का चान्स देते हैं तो सीनियर लोग कभी-कभी नाराज होते हैं।

श्री अनंत गुढ़े : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

MR. SPEAKER: You should mention about the telephone services.

श्री अनंत गुढ़े : आज देश में टेलीफोन, बी.एस.एन.एल. की स्थिति बहुत गम्भीर होती जा रही है। देश में जो लोग टेलीफोन के लिए डिमांड कर रहे हैं, उन्हें टेलीफोन नहीं मिल रहे हैं।

बी.एस.एन.एल. विभाग ने एक रुपये में टेलीफोन की एक स्कीम निकाली थी। लेकिन आज ऐसी स्थिति है कि जिन लोगों ने डिपाजिट भरे हुए हैं, उन्हें भी टेलीफोन नहीं मिल रहे हैं। जो स्थिति लैन्डलाइन की है, वही स्थिति विल की है और जो स्थिति विल की है, वही स्थिति मोबाइल टेलीफोन की है।

महोदय, महाराष्ट्र एक विकसित राज्य है, इसलिए महाराष्ट्र में टेलीफोन सेवा बड़ी मात्रा में चल रही है। लेकिन आज महाराष्ट्र में 1,86,250 लोग टेलीफोन की वेटिंग में हैं। यह 31 मई, 2005 तक की वेटिंग लिस्ट है। पिछले मार्च महीने में महाराष्ट्र में 4 लाख 50 हजार मोबाइल सिमकार्ड्स का उपयोग हुआ था। लेकिन मार्च से लेकर आज तक सारे सिमकार्ड्स बंद हैं। प्राइवेट कंपनियां बड़ी मात्रा में सिमकार्ड्स और टेलीफोन सुविधा दे रही हैं। लेकिन बी.एस.एन.एल. वहां न सिमकार्ड्स दे रहा है और न टेलीफोन दे रहा है। छः महीने हो गये हैं। इस बारे में गुजरात और महाराष्ट्र के सांसदों ने मुम्बई के चीफ जनरल मैनेजर के साथ 24 नवम्बर, 29 नवम्बर और 30 जुलाई को मीटिंग की और चीफ जनरल मैनेजर के समक्ष सारी समस्याएं रखीं, लेकिन उनमें से एक भी प्रॉब्लम सोल्व नहीं हुई है। महाराष्ट्र में बड़ी मात्रा में लोगों की वेटिंग लिस्ट बढ़ती जा रही है। लोग टेलीफोन की मांग कर रहे हैं। कई जगह ऐसी स्थिति है कि जहां विल लगा है वहां विल नहीं लगता और जहां विल लगता3 है, वहां की बैटरी नहीं चलती। पावर की कमी होने के कारण बैटरी चार्ज नहीं होती और बैटरी चार्ज न होने के कारण लोगों को टेलीफोन सेवा मिलनी चाहिए, वह नहीं मिलती।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि महाराष्ट्र में सिमकार्ड्स, टेलीफोन की वेटिंग लिस्ट आदि की जो समस्या चल रही है।

MR. SPEAKER: There should be no more repetition.

श्री अनंत गुढ़े : वहां प्रीपेड मोबाइल नहीं हैं, प्रीपेड मोबाइल कार्ड्स नहीं हैं। बाकी कंपनियां वहां रोजाना सब चीजें उपलब्ध करा रही हैं। इन सब चीजों के कारण वहां एक बड़ी मुश्किल पैदा हो गई

है। सी.डी.ए. में जो चाहिए, जो हर तालुका में चाहिए। लेकिन सी.डी.ए. में नहीं मिलने के कारण टेलीफोन सेवा नहीं मिल रही है।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री शंख लाल माझी, आप बोलिये।

श्री अनंत गुढ़े : एक तरफ वहां टेलीफोन नहीं मिल रहे हैं और दूसरी तरफ यू.पी.ए. सरकार बोल रही है.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री माझी, आप सोइल इरोजन के बारे में बोलिये।

श्री अनंत गुढ़े : दूसरी तरफ महाराष्ट्र में दो लाख से अधिक लोग वेटिंग लिस्ट में हैं.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already allowed 24 hon. Members today.

श्री अनंत गुढ़े : हमारी केन्द्र सरकार से मांग है कि महाराष्ट्र में लगभग दो लाख लोग ग्रामीण इलाकों में टेलीफोन की वेटिंग लिस्ट में पड़े हैं, उस वेटिंग लिस्ट को तुंत समाप्त किया जाए।

अध्यक्ष महोदय : दूसरे माननीय सदस्य को बोलने दीजिए। वे नए मैम्बर हैं। श्री शंखलाल माझी, आप सॉइल इरोज़न के बारे में बोलिये। After I call the next Member, please do not record the other Members.

श्री शंखलाल माझी (अकबरपुर) : माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश के अधिकतर पूर्वी जिले बाढ़ की चपेट में हैं। आजमगढ़ जिला में सेना तक को बुलाना पड़ा है। आजमगढ़ जिले के बॉर्डर पर अंबेडकर नगर का पूर्वी हिस्सा जहां तहसील तांडा के दुहिया, फूलपुर, न्योरहानी चौघुड़ा घाट पर भीषण कटाव हो रहा है। किसानों की बहुमूल्य खेती कट चुकी है और आबादी कटने की स्थिति में आ गई है। इससे गांवों के अस्तित्व को ही खतरा पैदा हो गया है। मैंने इस संबंध में 22.8.05 को अतारांकित प्रश्न संख्या 3821 किया था जिसके जवाब में बताया गया कि बाढ़ नियंत्रण राज्य सरकार के क्षेत्राधिकार में है। केन्द्र सरकार जहां पर नदियां एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में बहती हैं, और नदियों के द्वारा भीषण कटान से प्रलयंकारी बाढ़ की स्थिति पैदा होती है, यदि इस स्थिति में यह कह दिया जाए कि यह प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है तो मैं कहना चाहता हूं कि प्रदेश सरकार के सीमित संसाधन हैं और सीमित संसाधनों की बदौलत प्रदेश सरकार भीषण बाढ़ की रोकथाम का कार्य नहीं कर सकती है। ऐसी स्थिति में केन्द्र सरकार यह कहकर कि बाढ़ राज्य सरकार के क्षेत्राधिकार में है, अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेगी तो उचित नहीं है। मेरी मांग है कि जो प्रलयंकारी बाढ़ वहां आई है और हर साल आती है, खास तौर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में बाढ़ का तांडव हर साल होता है, उससे जो उपजाऊ भूमि का कटान हो रहा है, उसके लिए केन्द्र सरकार किसानों को मुआवज़ा देने की व्यवस्था करे और कटान की रोकथाम के लिए व्यवस्था करे।

DR. RAM CHANDRA DOME (BIRBHUM): Thank you, Mr. Speaker, Sir. I want to bring to the notice of the House through you, particularly, to the notice of our Railway Minister, Shri Laluji.

Sir, as you are aware, the historic August Movement of 1942 is a glorious part of freedom movement of our country. The people from all sections of society